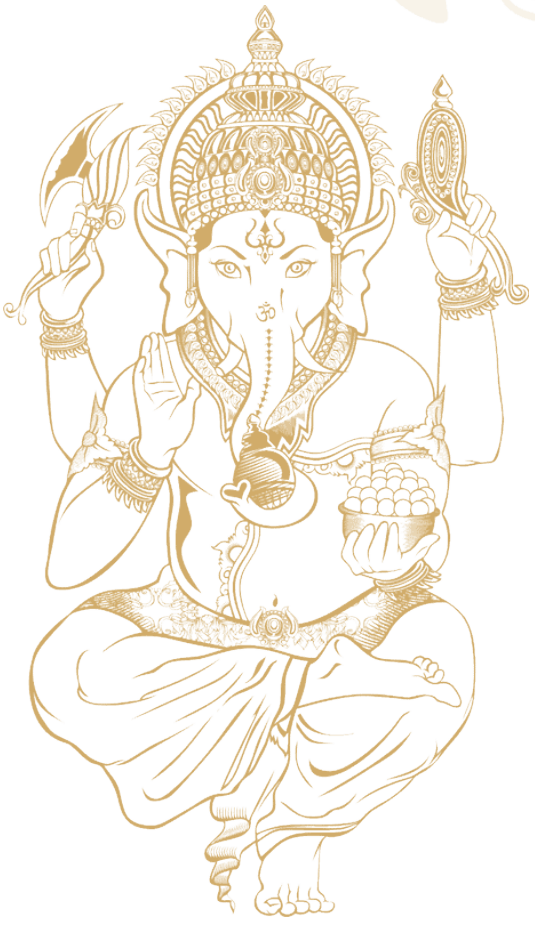

Mr.g

Ms. nitishs

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119285901

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119285901 Date: 30/08/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/12/2025	जन्म तिथि	21/11/1998
शुक्रवार	दिन	शनिवार
घंटे 21:35:00	जन्म समय	17:25:00 घंटे
घटी 36:05:22	जन्म समय(घटी)	26:10:44 घटी
India	देश	India
Hamirpur	स्थान	Una
31:38:00 उत्तर	अक्षांश	31:28:00 उत्तर
76:36:00 पूर्व	रेखांश	76:19:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:36	स्थानिक संस्कार	-00:24:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:08:51	सूर्योदय	06:57:30
17:19:46	सूर्यास्त	17:23:29
24:13:13	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:18

कर्क	लग्न	वृष
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
वृष	राशि	धनु
शुक्र	राशि-स्वामी	गुरु
मृगशिरा	नक्षत्र	मूल
मंगल	नक्षत्र स्वामी	केतु
2	चरण	1
साध्य	योग	धृति
कौलव	करण	तैतिल
वो-वोमेश	जन्म नामाक्षर	ये-येनी
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
वैश्य	वर्ण	क्षत्रिय
चतुष्पाद	वश्य	मानव
सर्प	योनि	श्वान
देव	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	आद्य
मृग	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 3वर्ष 8मा 20दि		17:00:59	कर्क	लग्न	वृष	06:43:42	केतु 6वर्ष 7मा 27दि	
मंगल		19:33:15	वृश्चि	सूर्य	वृश्चि	05:07:25	सूर्य	
05/12/2025		29:34:27	वृष	चंद्र	धनु	00:39:07	19/07/2025	
26/08/2029		28:32:50	वृश्चि	मंगल	कन्या	02:48:43	19/07/2031	
	00/00/0000	29:09:55	तुला	बुध व	वृश्चि	23:43:05	सूर्य	06/11/2025
	00/00/0000	29:59:12	मिथु व	गुरु	कुंभ	24:25:55	चन्द्र	07/05/2026
	05/12/2025	11:51:00	वृश्चि	शुक्र	वृश्चि	10:42:12	मंगल	12/09/2026
शनि	25/02/2026	00:59:17	मीन	शनि व	मेष	04:11:53	राहु	07/08/2027
बुध	22/02/2027	19:22:27	कुंभ व	राहु व	सिंह	02:26:35	गुरु	25/05/2028
केतु	21/07/2027	19:22:27	सिंह व	केतु व	कुंभ	02:26:35	शनि	07/05/2029
शुक्र	20/09/2028	04:38:29	वृष व	हर्ष	मक	15:26:53	बुध	13/03/2030
सूर्य	25/01/2029	05:09:31	मीन व	नेप	मक	06:00:26	केतु	19/07/2030
चन्द्र	26/08/2029	07:47:11	मक	प्लूटो	वृश्चि	13:44:07	शुक्र	19/07/2031

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

24:13:13 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:18

लग्न-चलित

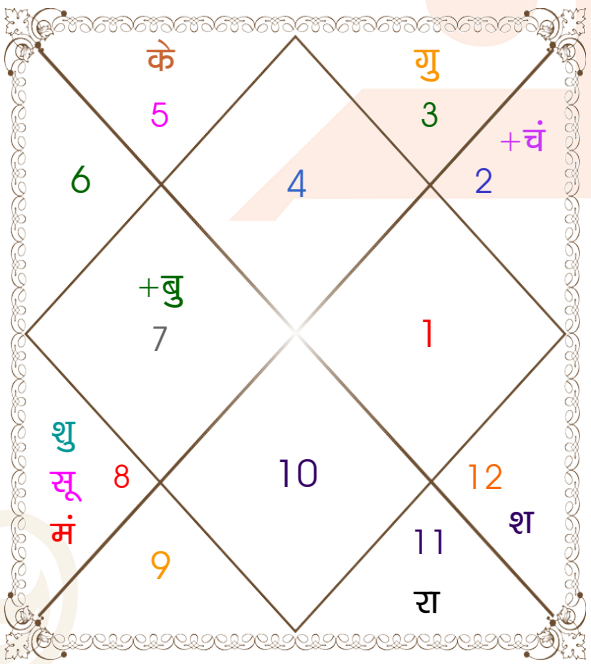

लग्न-चलित

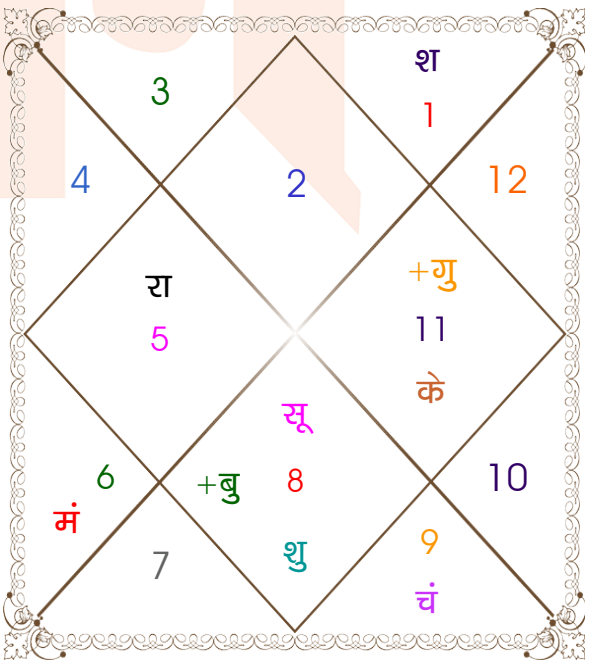

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.00		

कुल : 14 / 36

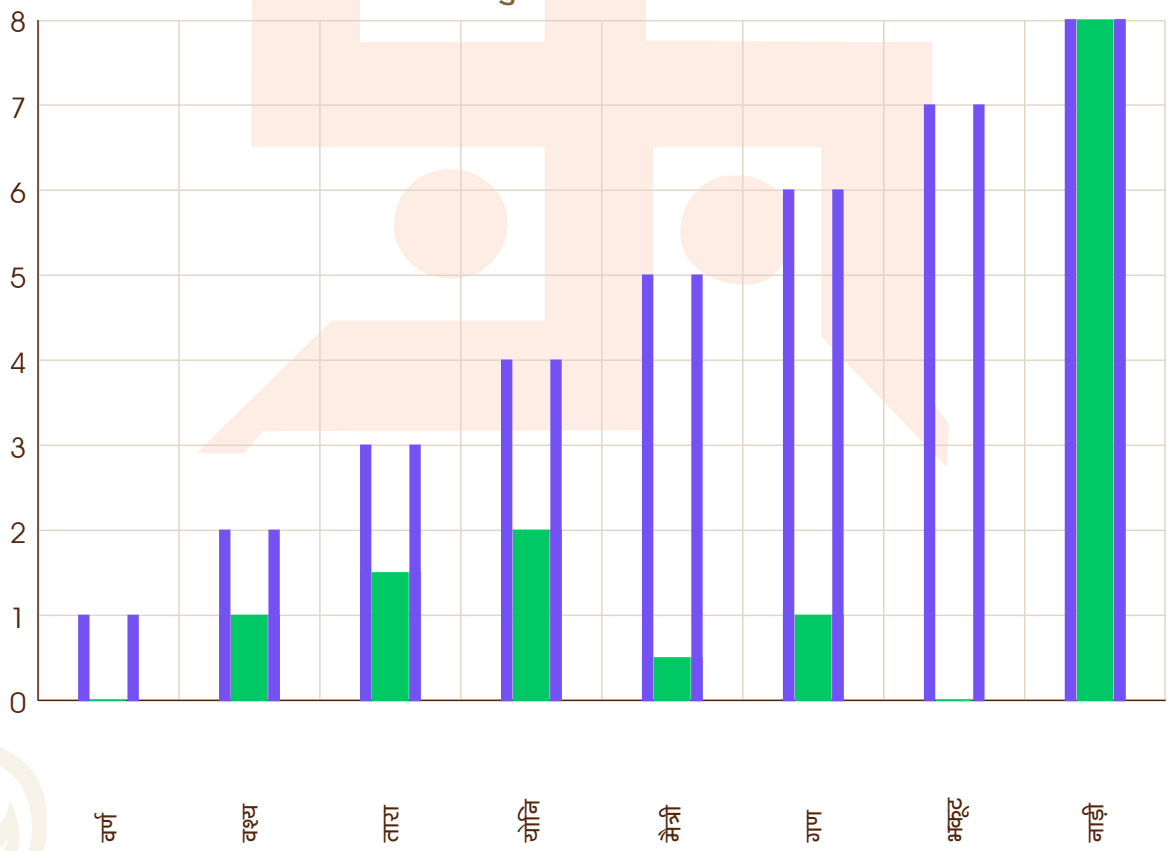

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr.g का वर्ग मृग है तथा Ms. nitishs का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.g और Ms. nitishs का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.g मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Ms. nitishs मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Mr.g तथा Ms. nitishs में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.g का वर्ण वैश्य है तथा Ms. nitishs का वर्ण क्षत्रिय हैं। क्योंकि Ms. nitishs का वर्ण Mr.g के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। इसके फलस्वरूप Ms. nitishs अति वर्चस्वशाली, आक्रामक, झगड़ालू प्रवृत्ति की होगी एवं देखभाल नहीं करने वाली होगी। Ms. nitishs को हमेशा यह घमंड एवं अहंकार होता रहेगा कि वह अपने पति से श्रेष्ठ है तथा हमेशा अपने पति एवं पति के परिवार के सदस्यों को नीची निगाह से देखने वाली होगी।

वश्य

Mr.g का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Ms. nitishs का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार Mr.g एवं Ms. nitishs एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी Ms. nitishs क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

तारा

Mr.g की तारा प्रत्यरि तथा Ms. nitishs की तारा साधक है। Mr.g की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत Mr.g कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप Ms. nitishs को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

Mr.g की योनि सर्प है तथा Ms. nitishs की योनि श्वान है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से

कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.g का राशि स्वामी Ms. nitishs के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Ms. nitishs का राशि स्वामी Mr.g के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Mr.g का गण देव तथा Ms. nitishs का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में Ms. nitishs निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो सकती हैं जो वर, उसके बच्चों तथा परिवार के सदस्यों के लिए बुरा एवं घातक साबित हो सकता है। ऐसी पत्नी से अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा सामाजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार से निर्वहन करेंगी। Ms. nitishs की अक्सर दूसरों से लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

भकूट

Mr.g से Ms. nitishs की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथा Ms. nitishs से Mr.g की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। Mr.g एवं Ms. nitishs दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभव के होंगे। Mr.g शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़ सकता है। दूसरी ओर Ms. nitishs

बिल्कुल लापरवाह, कोई भी कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा उनके पति की मृत्यु की भी संभावना बनी रहेगी।

नाड़ी

Mr.g की नाड़ी मध्य है तथा Ms. nitishs की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.g की जन्मराशि पृथ्वीतत्व वृष है तथा Ms. nitishs की अग्नितत्व युक्त राशि धनु है। पृथ्वी तत्व एवं अग्नितत्व का आपस में असमानता तथा शत्रुता का भाव रहता है। अतः Mr.g और Ms. nitishs का मिलान उत्तम नहीं रहेगा तथा परस्पर सवभावगत स्वं अन्य असमानताएं होने के कारण दाम्पत्य जीवन के सुख में न्यूनता रहेगी ।

Mr.g का राशि स्वामी शुक्र तथा Ms. nitishs का राशि स्वामी बृहस्पति परस्पर शत्रु एवं सम है। अतः सुखी वैवाहिक जीवन के लिए यह स्थिति अच्छी नहीं रहेगी इससे परस्पर मतभेद एवं विघ्न होंगे तथा अपने अपने अस्तित्व को श्रेष्ठ समझकर आपसी संबंधो में मधुरता की अपेक्षा कटुता का भाव अधिक रहेगा ।

Mr.g और Ms. nitishs की राशियां परस्पर षडाष्टक पड़ती है जो एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है। यद्यपि Ms. nitishs अनुकुल राह में कदम बढ़ाएंगी लेकिन Mr.g प्रतिकूलता का काम करके आपस में कटुता एवं मतभेदों में वृद्धि करेंगे। Mr.g एक अभिमानी पृवृति के व्यक्ति होगें तथा अपने समक्ष Ms. nitishs को महत्वहीन समझेंगे। Mr.g के मन में आन्तरिक सघर्ष रहेगा जो Ms. nitishs के उपर के क्रोध रूप में प्रकट होगा फलतः आपसी टकराव रहेगा तथा उनका पारिवारिक जीवन अशांत एवं असन्तुष्ट रहेगा।

Mr.g का वश्य चतुष्पद है तथा Ms. nitishs का वश्य मानव है। मानव तथा चतुष्पद वश्य में आपस में नैसर्गिक असमानता तथा शत्रुता का भाव रहता है। इसके प्रभाव से Mr.g और Ms. nitishs की अभिरूचियों मे अन्तर होगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी असमानताएँ रहेंगी तथा एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने में असमर्थ रहेंगे।

Mr.g का वर्ण वैश्य तथा Ms. nitishs का वर्ण क्षत्रिय है। अतः Mr.g धनार्जन सम्बंधी कामों में तत्पर रहेंगे तथा व्यापारिक बुद्धि से कार्यो को सफल करेगे Ms. nitishs की प्रवृति साहसी एवं पराक्रमी होगी तथा ऐसे कामों को करने में प्रवृत रहेगी।

धन

Mr.g और Ms. nitishs दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr.g की नाड़ी मध्य तथा Ms. nitishs की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों का जन्म अलग अलग नाड़ियों में होने के कारण यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके शुभ प्रभाव से अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथा समय सम्पन्न करने में वे समर्थ होंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की खुशहाली तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी तथा समय भी सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही मंगल का भी किसी के स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः दोनों स्वस्थ तथा प्रसन्नचित रहकर अपना जीवन व्यतीत करने में सफल होंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr.g और Ms. nitishs का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr.g और Ms. nitishs के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms. nitishs के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms. nitishs को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms. nitishs को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr.g और Ms. nitishs सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr.g और Ms. nitishs का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. nitishs के अपने सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे तथा सास भी उसके विनम्र स्वभाव, मधुरवाणी तथा गृहणी के रूप में उससे पूर्ण प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगी। Ms. nitishs भी अपनी सास को माता के समान व्यवहार एवं सम्मान प्रदान करेंगी तथा किसी भी गम्भीर समस्या का परस्पर सामंजस्य से समाधान करने में समर्थ रहेंगी।

साथ ही उसके ससुर भी उनकी सेवा तथा आदर के भाव से प्रसन्न रहेंगे तथा Ms. nitishs भी अपनी ओर से उनकी सेवा सुश्रूषा करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से उन्हें यथोचित सम्मान तथा सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनकी प्रतिद्वन्दिता का

भाव परस्पर दूरी बनाए रखेगा।

इसके अतिरिक्त सास ससुर का Ms. nitishs को ससुराल में पूर्ण स्नेह तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा वे सच्चे मन से उसे अपने परिवार में स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Mr.g के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Mr.g अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Mr.g के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Mr.g के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।